रेल परविहन में सुधारों पर केन्द्रति स्वर्णमि चतुर्भुज परयिोजना

चर्चा में क्यों?

- देश की जीवन रेखा भारतीय रेल तमाम चुनौतियों से जूझ रही है। भारी भरकम योजनाओं का आर्थकि बोझ और व्यस्ततम रेल मार्गों पर लगभग 22 हज़ार यात्री ट्रेनों व मालगाड़ियों के रोज़ाना संचालन से रेलवे की रफ्तार थम सी गई है। रेल पटरयिों पर लगातार ट्रेनों की आवाजाही से कमज़ोर हो रही पटरयिों के मरम्मत व समुचति रखरखाव के अभाव में रेल दुर्घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।
- दलि्ली-मुंबई, चेन्नई-हावड़ा को जोड़ने वाली स्वर्णमि चतुर्भुज परयिोजना से इन तमाम समस्याओं और चुनौतियों का समाधान संभव हो सकता है। यह परयिोजना रेल यात्रा व माला भाड़ा ढुलाई की प्रक्रयिा ही नहीं, बल्कि देश की पूरी परविहन व्यवस्था की तस्वीर बदल देगी, साथ ही डीएफसी परयिोजना अर्थव्यवस्था के लयि भी मील का पत्थर साबति होगी।

क्यों महत्त्वपूर्ण है यह परयिोजना

- देश के सर्वाधकि व्यस्त रेल मार्गों दलि्ली-मुंबई और दलि्ली कोलकाता के बीच स्वर्णमि चतुर्भुज समर्पति रेल गलयिारा तेज़ी से तैयार हो रहा है, जसि पर सरि्फ और सरि्फ मालगाड़ियां चलेंगी, वहीं मौजूदा रेल लाइनों पर सरि्फ यात्री ट्रेनें चलेंगी।
- परयिोजना के पूरा होने पर प्रत्यक्ष तौर पर यात्रयिों के लयि टकिटों की प्रतीक्षा सूची बीते दनिों की बात हो जाएगी। साथ ही रेल पटरयिों के जल्दी जल्दी खराब होने और उनके रखरखाव का भी समय न मलिने के कारण हो रही दुर्घटनाएँ भी नहीं के बराबर होंगी।
- रेलवे अभी 9 हज़ार से अधकि यात्री ट्रेनें चला रहा है, जनिसे सवा 2 करोड़ दैनकि व लंबी दूरी की यात्रा लोग कर रहे हैं। इसी रेल रूट पर अभी लगभग 8 से 9 हज़ार मालगाड़ियाँ चलती हैं, जो धीरे-धीरे करके वर्ष 2021 तक स्वर्णमि चतुर्भुज कारीडोर पर चली जाएंगी।
- इसका परणिाम यह होगा कि रेल यात्रयिों के लयि जहाँ ज़रूरत के मुताबकि नई यात्री ट्रेनें चलाई जा सकेंगी, वहीं ट्रेनों की रफ्तार में भी वृद्धि होगी। ट्रेनों की बढ़ी रफ्तार के साथ यात्रयिों को कन्फर्म टकिट उनकी मांग के अनुरूप मलिने लगेगा।

नष्किर्ष

- दरअसल, दनि रात दौड़ रही यात्री ट्रेनों व मालगाड़ियों के कारण रेल पटरयिाँ जर्जर हो गई हैं। यही कारण है कि प्रतिवर्ष देश भर में पटरयिों में दरार आने व नट-बोल्ट ढ़ीले होने के लगभग 5-6 हज़ार मामले सामने आते हैं।
- मालगाड़ियों पर नर्धिारति क्षमता से लगभग दो सौ प्रतशित अधकि वजन की ढुलाई ने समस्या को और भी गंभीर बना दयिा है। रेल पटरयिों की जर्जर हालत पर बीते एक दशक में संसद की रेल संबंधी समतियिों और कैग ने भी चति जताई थी। वदिति हो कि रेलवे का मुनाफा बढ़ाने के लयि मालगाड़ियों की भार ढ़ोने की क्षमता को अधकि बढ़ा दयिा गया था।
- रेल मैनुअल के अनुसार 4800-5000 टन से अधकि वज़न नहीं होना चाहयि, लेकनि सभी मालगाड़ियों में 5500 टन की ओवरलोडगि की जाती रही है। यही नहीं, कई बार तो दो मालगाड़ियों को एक साथ जोड़ दयिा जाता है। ऐसे में यह परयिोजना मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के लयि अलग-अलग रूट उपलब्ध कराएगी, जो कि भारतीय रेल के इतहिास में एक महत्त्वपूर्ण सुधार होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/diamond-quadrilateral-project-of-indian-railways